विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी विषय -हिंदी व्याकरण ,वर्ग -पंचम दिनांक-15-04-2021

एऩ सीआर.. पर आधारित.   पाठ -2

सुप्रभात बच्चअॉं,

स्वर

स्वरअॅ का उच्चारण स्वतंत्र रूप से किया जाता है| इन्हें बोलते समय मुख से हवा बिना किसी रूकावट के निकलती है |हिंदी भाषा में इनकी संख्या ग्यारह हैं| यह दो तरह से लिखे जाते हैं|

1. अपने मूल रूप में ------   अ,आ,इ, ई आदि |
2. मात्रा के रूप में किसी व्यंजन के साथ मिलाकर|
   जैसे ---- क् + आ = का, क् + इ

स्वर के तीन भेद होते हैं:

स्वर

हस्व स्वर.   दीर्घ स्वर.   प्लुत स्वर

1.हस्व स्वर ----   इनके उच्चारण में सबसे कम समय   लगता है| ये चार हैं ------   अ ,इ, उ ,ऋ|

2. दीर्घ स्वर------ इनके उच्चारण में हस्व स्वरअॅ के दुगुना समय लगता है| ये सात हैं -------   आ ,   ई ,ऊ, ए ऐ, अो , अौ |

3.प्लुत स्वर ------   इनके उच्चारण में हस्व स्वरअॅ के उच्चारण से तिगुना समय लगता है |जैसे ------ ओ$म | प्लुत स्वर एक ही हैं|

दी, गई अध्ययन -सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें तथा समझने का प्रयास करें|